राज
कॉमिक्स
संख्या 0026
नागराज का बदला
इस कॉमिक के साथ नागराज
का एक पोस्टर मुफ्त
नागराज सीरीज
eComic
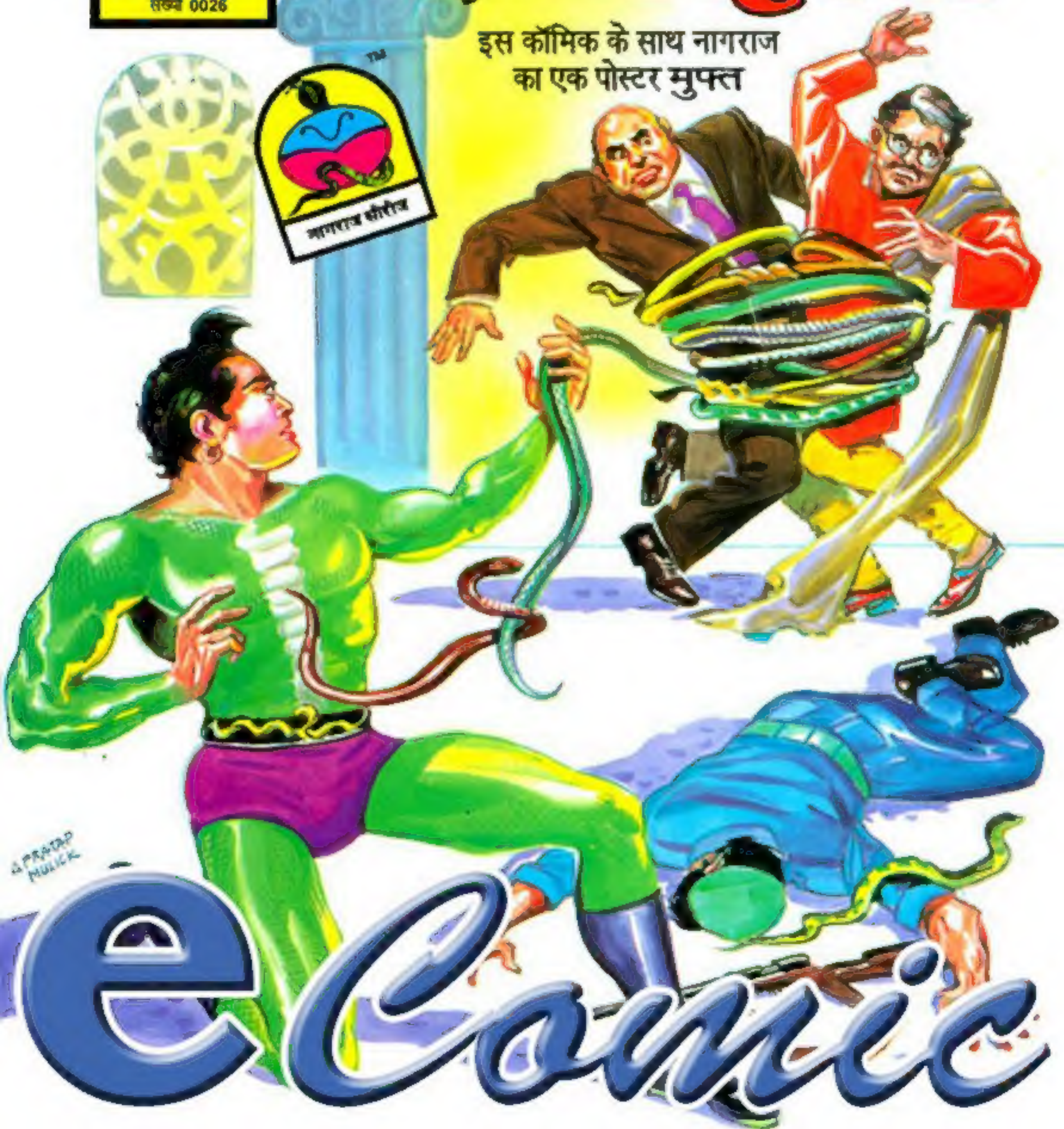
नागराज का बदला

चित्रकथा: परशुराम शर्मा

चित्रांकन: संजय अष्टपुत्रे

सम्पादन: मनीष चंद्रगुप्त

इस मीटिंग में जितने भी लोग मौजूद हैं, वह कम्पाली रियासत के सर्वशक्तिमान व्यक्ति हैं और सब मेरे साथी हैं।
तुम लोग कम्पाली के राजघराने को क्यों नजर अंदाज कर रहे हो ?

राजघराना सिर्फ नाममात्र का है। रियासत की देख-भाल हमें ही करनी पड़ती है।

किल्लौल, मेरे दोस्त! क्या तुम कम्पाली की प्रगति में मुझे साझेदार बनाना चाहते हो ?
आप ठीक समझे मिस्टर बुलडाग! मैंने महाराजा से आपको यह भू-भाग इसीलिये दिलवाया है क्योंकि आप यहां की विकासशील योजनाओं पर पूंजी लगायेंगे।

हम पूंजी लगाने के लिये तैयार हैं – उसकी रूप-रेखा हमने तैयार कर ली है। अभी तक हम यहां से सिर्फ अफीम का कारोबार कर रहे थे।...

...लेकिन अब हम यहां हथियारों की फैक्ट्री लगायेंगे, क्योंकि हथियार सबसे अधिक मुनाफे का धंधा है।...

और कम्पाली रियासत इस कारोबार में हमारी साझेदार होगी। इसके शेयर कम्पाली के बाजारों में फैलाना तुम्हारा काम होगा।...

...और तुम्हारा बोनस अलग होगा। महामंत्री किल्लौल, कागजात पर हस्ताक्षर करवाना तुम्हारा काम होगा।
आल राइट! अब आप यह सब मुझ पर छोड़ दें।

मीटिंग समाप्त होने के बाद —
किल्लौल इस रियासत का महाराजा बनने का ख्वाब देख रहा है। यह सबसे महत्वपूर्ण बात है... लेकिन इस काम की शुरुआत तब होगी जब महाराजा पूरी तरह मेरी मुट्ठी में आ जायेगा।

हमारे आदमी हैड क्वार्टर के मलवे से नागराज की लाश निकाल लाए हैं।
ताबूत को किले के स्ट्रांग रूम में पहुंचा दो।

कुछ देर बाद —
ताबूत स्ट्रांग रूम में पहुंचा दिया गया है सुपर बास!

डाक्टर सिमले... तुम्हें नागराज के शव का पोस्टमार्टम करना है, और इसकी पूरी रिपोर्ट तैयार करनी है। अब डेड बाडी के परीक्षण में कोई कोताही नहीं होनी चाहिये।...

...हम नागराज जैसा ही आदमी तैयार करेंगे... बशर्ते कि हमें उसकी आंतरिक क्रिया की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो जाये।
मैं आपका सार समझ गया... आप चिन्ता न करें मुझे इस काम का पूरा अनुभव प्राप्त है।

स्ट्रांग रूम में डाक्टर सिमटो ने परीक्षण किया।
यह शत-प्रतिशत मृत है। डेड बाडी को आप्रेशन रूम में पहुंचा दो।

नागराज को स्ट्रेचर द्वारा आप्रेशन रूम में ले आया गया।

आप्रेशन रूम में डाक्टर सिमटो आप्रेशन के लिये तैयार था।
अगर मैंने इसके मुकाबले का ऐसा ही शक्तिशाली मानव तैयार कर दिया तो मैं सबसे बड़ा दौलत मंद इन्सान कहलाऊंगा।

सबसे पहले इसके ब्रेन का आप्रेशन होना चाहिये।

नागराज की आंखें खुल गयीं और सम्मोहन की एक प्रचंड लहर डाक्टर सिमटो की आंखों को भेदती चली गयी।
उफ्फ मेरी आंखों के आगे अंधेरा छाता जा रहा है, सिर चकरा रहा है।

मेरे अंदर ऑक्सीजन का स्टाक बहुत कम रह गया है, सबसे पहले ऑक्सीजन देकर स्टाक पूरा करो...

तुम मेरी डेड-बाडी का निरीक्षण करोगे, और रिपोर्ट भी तैयार करोगे... यह रिपोर्ट और तुम्हारी कार्य-प्रणाली मेरी इच्छानुसार होगी।

अब तुम्हारा काम पूरा हो गया। बुलडाग से कहो कि यदि मेरा शव किसी दरिया में न बहाया गया तो मेरे मांस के सड़ने से जल्दी ही ऐसी गैस निकलेगी जो कबुयों की जान ले लेगी।

हां - उसके शव को तुरन्त किसी दरिया में बहा डालो ताकि कम्पाली की सीमा से दूर कहीं इस गैस का प्रकोप हो।
ठीक है उसे पहाड़ी दरिया डोंग में बहा दिया जायेगा।

डोंग ब्रह्मपुत्र से मिलने वाली नदी है। नागराज के शरीर की गैस ब्रह्मपुत्र में फैलेगी तो आसाम पर ही प्रभाव पड़ेगा, और हम इसका लाभ उठायेंगे
ओ.के. सुपर बास हम उसे आज ही डोंग नदी के हवाले कर देंगे।

नागराज को डोंग दरिया में फैंक दिया गया।

कुछ देर तैरने के बाद नागराज एक बस्ती में पहुंच गया-
इस बस्ती में चीख-पुकार और शोर कैसा?

क्या बात है! यह भगदड़ चीख-पुकार और शोर क्यों?
कामरु आया है कामरु ... आज फिर जवान लड़कियों की छंटनी हो रही है।

कामरू? जवान लड़कियों की छंटनी? कौन है यह शख्स, और जवान लड़कियों की छंटनी क्यों कर रहा है।
एक वहशी दरिन्दा, विदेशी लोगों की ऐयाशी के लिये हमारी बस्तियों से लड़कियां उठा कर ले जाता है।

हमने इसकी शिकायत महाराजा से करनी चाही। जो भी शिकायत के लिये बढ़ा उसके खान-दान तक का जड़ से सफाया कर दिया गया।

जब भी उसे पता चलता है कि बस्ती की कोई लड़की जवान हो गयी है तो वह उसे उठा कर ले जाता है।

बचाओ
कोई मर्द है इस बस्ती में जो मेरी बेटी को बचा सके।

तुम सब बुजदिल हो। मेरे साथ आओ, मैं देखता हूँ।

रुक जाओ! और इस लड़की को छोड़ दो!..
हे...हे...हे... गोली से उड़ा दो रे इसे बहुत बोलता है।
धाँय धाँय
तुम्हारी बन्दूकें मेरे कदमों में ढेर हो गयी हैं आगे बढ़ो, और उठाओ अपने हथियार।
उफ्फ! कोई सांप मेरे हाथ से बन्दूक छीन कर ले गया था!
यह कोई जादूगर मालूम पड़ता है!

हमला कर दो... बोटियां उड़ा दो इसकी।

ढाक
ढाक
ढाक

ढाक
तड़ाक

कामरू! तेरे आदमी तो जमीन सूंघ रहे हैं...।

पुराने दांव-पेचों का जानकार है।

ढिशुम ऽऽ

बस्ती वालों ने नागराज को कंधों पर उठा लिया

उधर महामंत्री किल्लोल को पता चला—

किल्लौल ने तुरंत बुलडाग से सम्पर्क किया-
नागराज मर चुका है... यह कोई और व्यक्ति है जो नागराज के नाम का लाभ उठा रहा है।
आपको पूरा यकीन है कि नागराज मर चुका है?

तुम्हें यकीन नहीं- लो अभी प्रमाण देता हूं।
डाक्टर सिमटो तुरन्त यहां आओ।

तुरन्त ही डाक्टर सिमटो हाजिर हो गये।
मेरी रिपोर्ट को कोई चैलेंज नहीं कर सकता सुपर बास...
सुन लिया आपने मिस्टर किल्लौल यह किसी की साजिश है...।

हो सकता है महाराजा को तुम्हारी योजना की गंध मिल गयी हो- और उन्होंने तुमसे निपटने के लिये नागराज का हव्वा खड़ा कर दिया हो।
मैं इस सम्बंध में अपने जासूसों को निर्देश दे चुका हूं।...

...उनकी रिपोर्ट के अनुसार ऐसा कुछ नहीं है।
किसी तरह उसका हुलिया फोटो और काम करने का तरीका ज्ञात करो, उसके ठिकाने का पता लगाओ।
किल्लौल के जासूस दिन-रात उसी काम पर लग गये।
मैं बहुत गरीब आदमी हूं- मेरा घर-बार कुछ बदमाशों ने उजाड़ दिया... मैं नागराज की तलाश में भटक रहा हूं। कोई मुझे उसका पता बता दो।

जासूस ने स्पाई कैमरे से नागराज का फोटो खींच लिया जो उसने पोशाक में छाती से लगाया हुआ था।

मैं लकड़हारा हूं, जंगल में मेरी कुटिया है...कुछ बदमाश पहले मेरी जवान लड़की को उठाकर लेगये फिर...

जासूस वापिस किल्लोल के पास पहुंचा।
कल वह पोरवर के जंगल आ जायेगा। उसने दो दिन वहां रहने का वादा किया है... मैंने कहा था कि बदमाश मेरी बड़ी लड़की को उठाकर ले गये हैं और छोटी लड़की की फिराक में हैं।
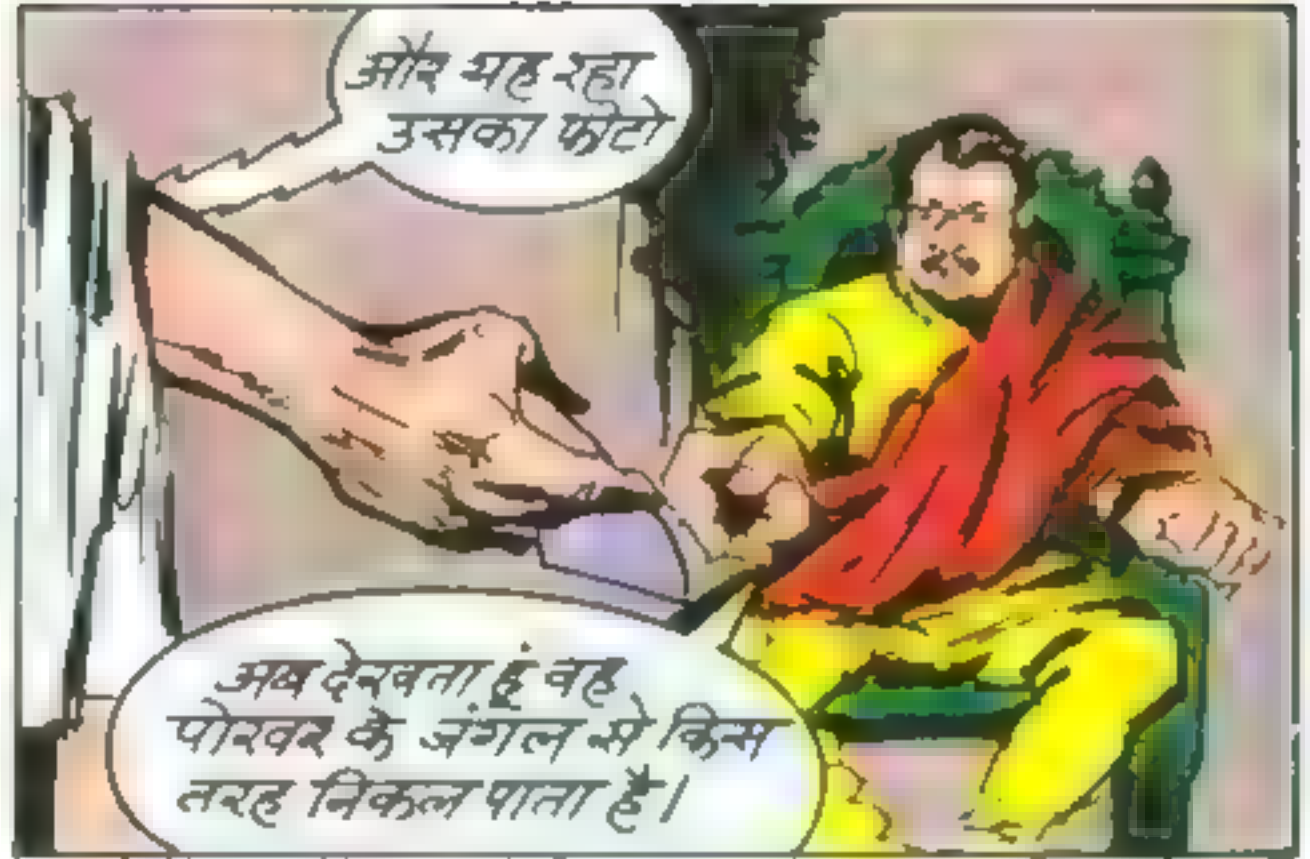
और यह रहा उसका फोटो
अब देखता हूं वह पोरवर के जंगल से किस तरह निकल पाता है।

किल्लोल ने अपनी योजना तैयार कर ली।
लड़की सुवांगनी! तुम्हें उस लकड़हारे की छोटी लड़की बनकर जंगल की कुटिया में नागराज के साथ रहना है।

हुजूर, सुवांगनी एक विषकन्या है जो मर्द किसी के काबू में नहीं आता, सुवांगनी उसे बड़े सलीके से परलोक पहुंचा देती है। आप बस हुक्म करें, बाकी काम सुवांगनी खुद कर लेगी।

मुझे यकीन है बुगरासी, इसीलिये तुम्हारी सेवा प्राप्त की है– सुवांगनी का काम होगा नागराज को परलोक पहुंचाना।

और अगर सुवांगनी सफल न हो सकी तो तुम्हारी गुरिल्ला फौज उसे ठिकाने लगायेगी।

उसके बावजूद भी नागराज बच गया तो वह महाराजा का दुश्मन होगा - क्योंकि उस पर हमला करने वाला सरकारी फौज का दस्ता होगा।

नागराज पोखर से जंगल की ओर रवाना हुआ -

मैं कम्पाली रियासत का दामन पाक साफ करके ही जाऊंगा।

वाह! मेरा अभिवादन कर रहे हैं।

रात हो गयी।
आप विश्राम कीजिये, यात्रा की थकान मिटा लीजिये, मैं रातभर पहरा दूंगी।
नहीं-तुम बेफिक्री से सो जाओ, मुझे पहरे की जरूरत नहीं।

यह सो रहा है, अब मुझे इस पर हमला कर देना चाहिये।

बस एक बार इसे काटूंगी तो जहर इसके रक्त में पहुंच जायेगा और यह तड़प-तड़पकर मर जायेगा।
सुवांगनी ने हमला कर दिया।
ऐ... दूर हटो... क्या कर रही हो?

बस मेरा काम खत्म हो चुका, तुम्हारी मौत हो चुकी।
बस कम्बख्त ने मेरी गर्दन पर काट खाया अब यह नहीं बचेगी!

उफ्फ! मेरी देह जल रही है... म... मैं...
अफसोस तुमने नागराज को काटा... अब तुम नहीं बच पाओगी, मेरे शरीर में हजारों नागों का जहर है।

सुवांगनी ने दम तोड़ दिया।

और नागराज के जहर से सुवांगनी की देह पानी की तरह पिघलने लगी।

सुबह होते ही नागराज झोपड़ी से बाहर निकला।

जैसे ही नागराज आगे बढ़ा —
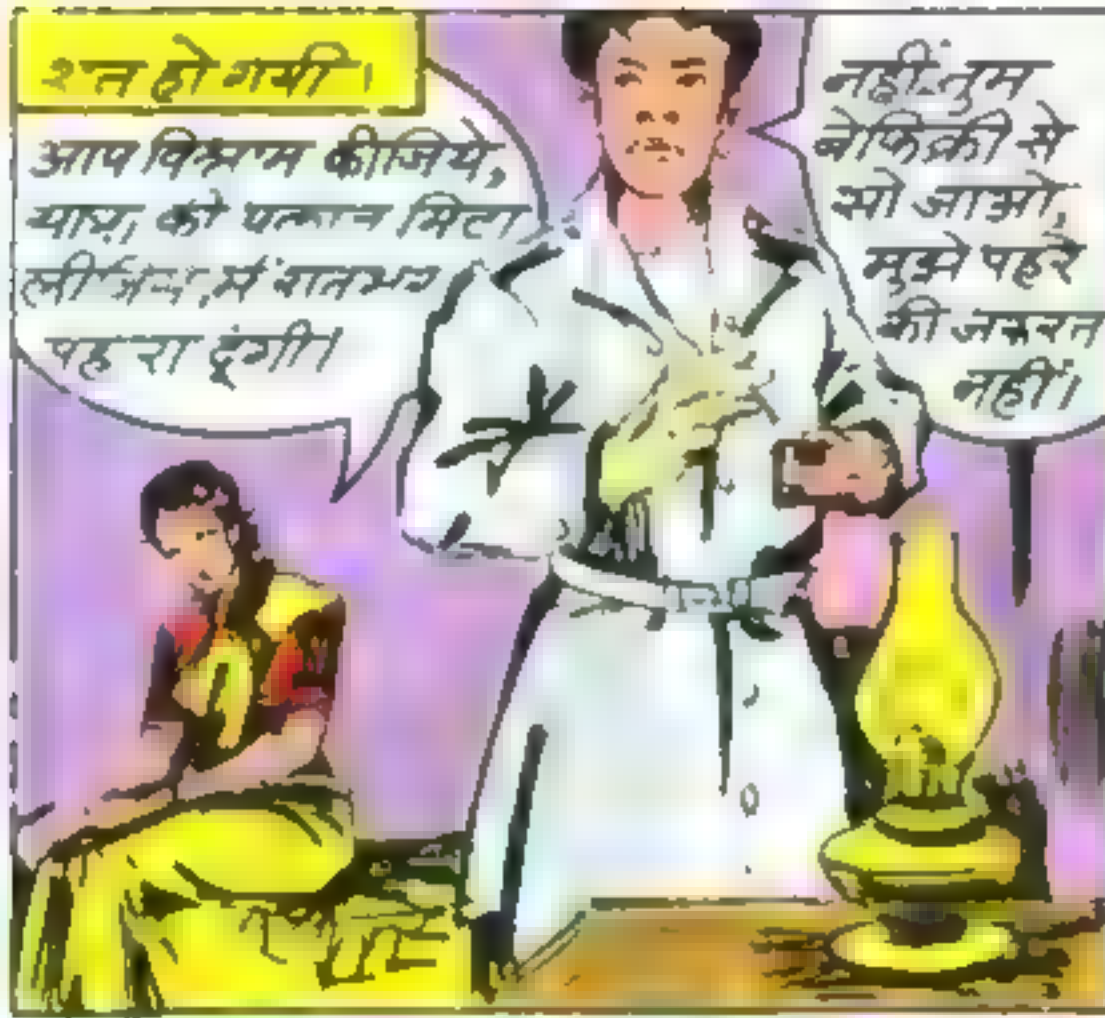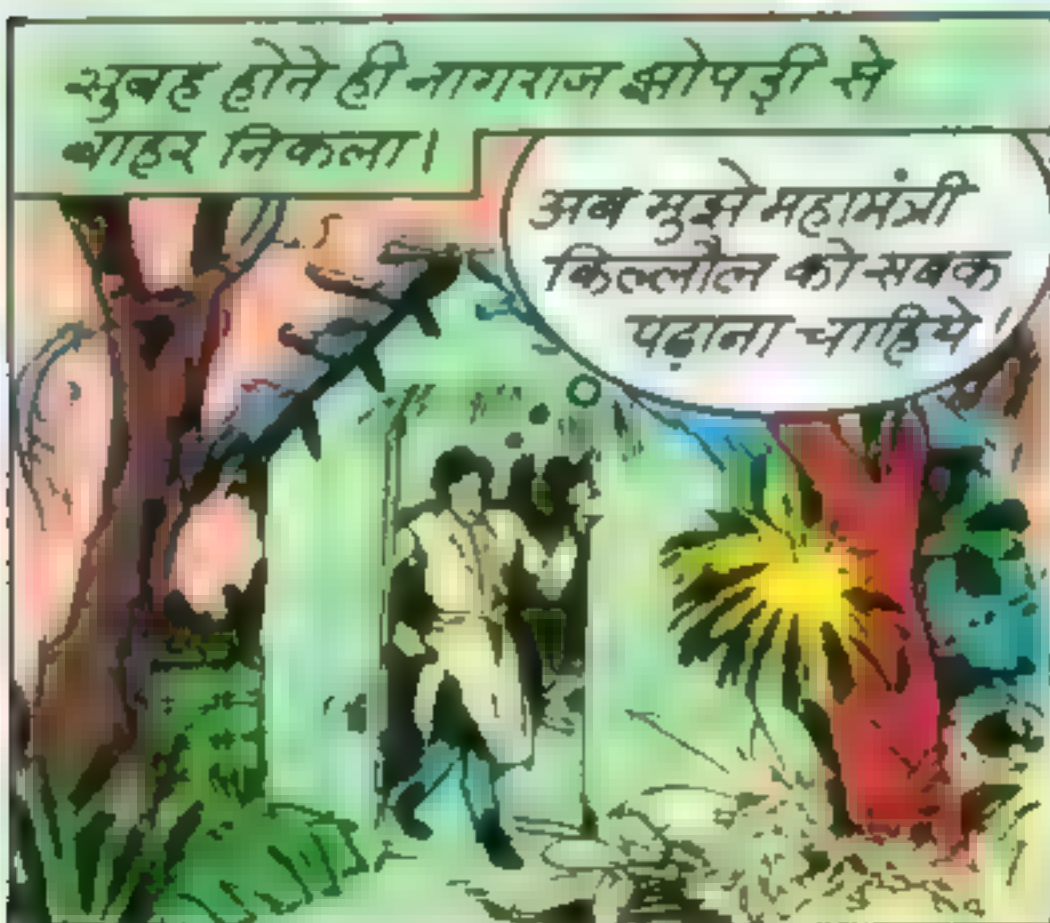
मेरी छठी इन्द्री ने खतरे की गंध पा ली थी।
पूरा जंगल फायरिंग की आवाज से दहल उठा।
धांय
धांय
यह तो सरकारी वर्दी के सैनिक हैं जो मुझे घेरकर मारने की कोशिश कर रहे हैं।
धांय
धांय

पूरे जंगल की मोर्चा-बंदी है। वे लोग पेड़ों पर मचान बनाये बैठे हैं।
नागराज नागरस्सी द्वारा एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर उड़ने लगा।
फुस्स्स
उआऽऽ
फुस्स्स
फुस्स्स
फुस्स्स

हमारे दस्ते के सैनिकों पर खौफनाक सांप हमला कर रहे हैं। ओवर...
हम तुम्हारी सहायता के लिये हेलिकाप्टर भेज रहे हैं ओवर

रैटाटाट
ओह! हवाई हमले की भी तैयारी है।

ज़रा करीब आ जायें...

जैसे ही हेलीकाप्टर नीचे झुका और करीब आया, नागराज की नागरस्सी कॉप्टर पर लपक पड़ी।

रस्सी काट दो...
वह देखो... वह हेलीकाप्टर पर एक रस्सी द्वारा चढ़ रहा है।

आऽऽ
फुरर्र
फुरर्र

मैं तुम्हारे हेलीकाप्टर में आ गया हूं।

झांय

चलो, अब तुम मेरे गुलाम हो।
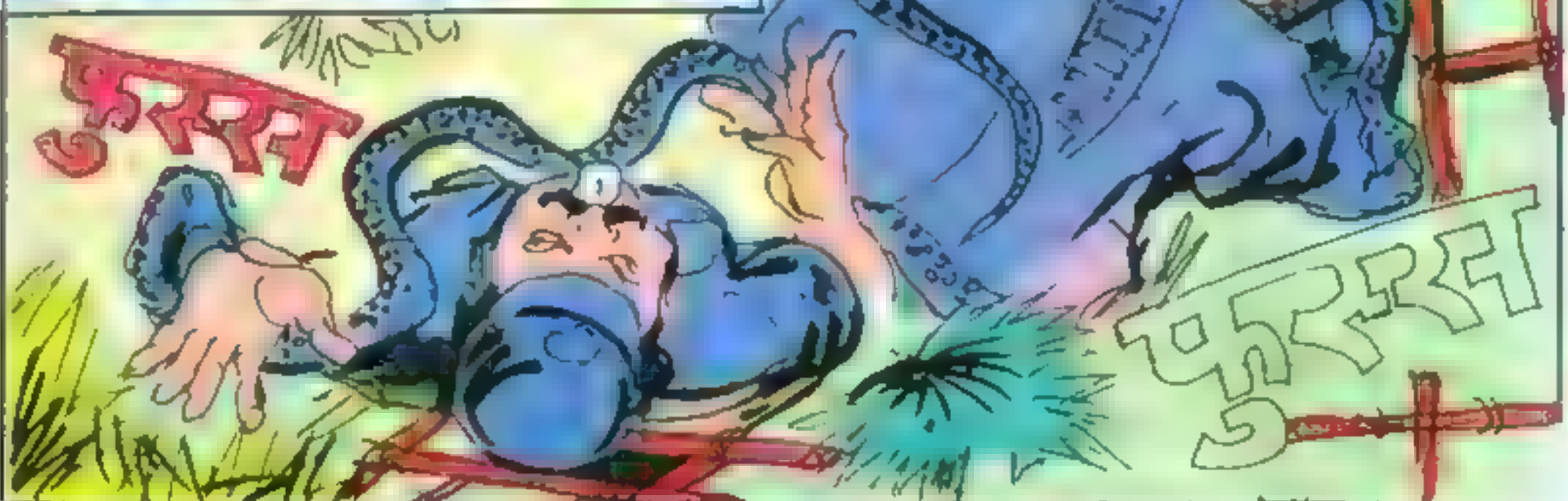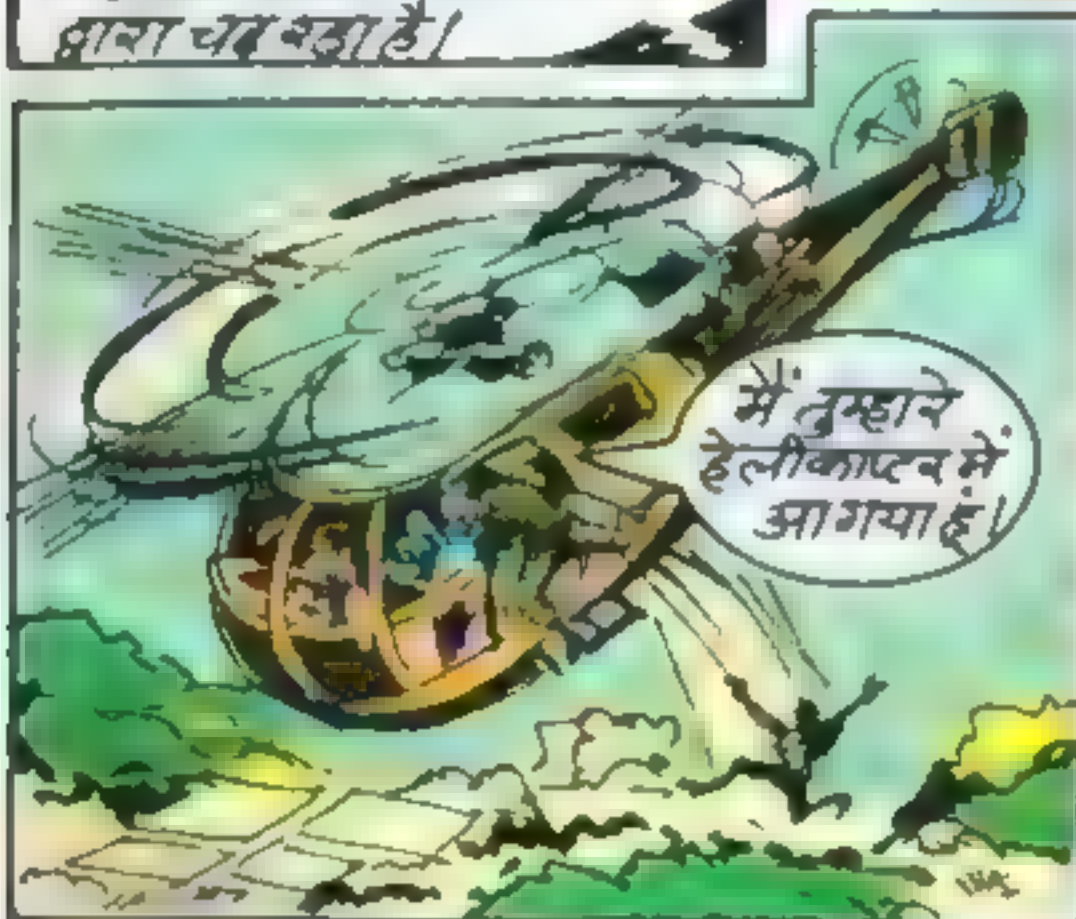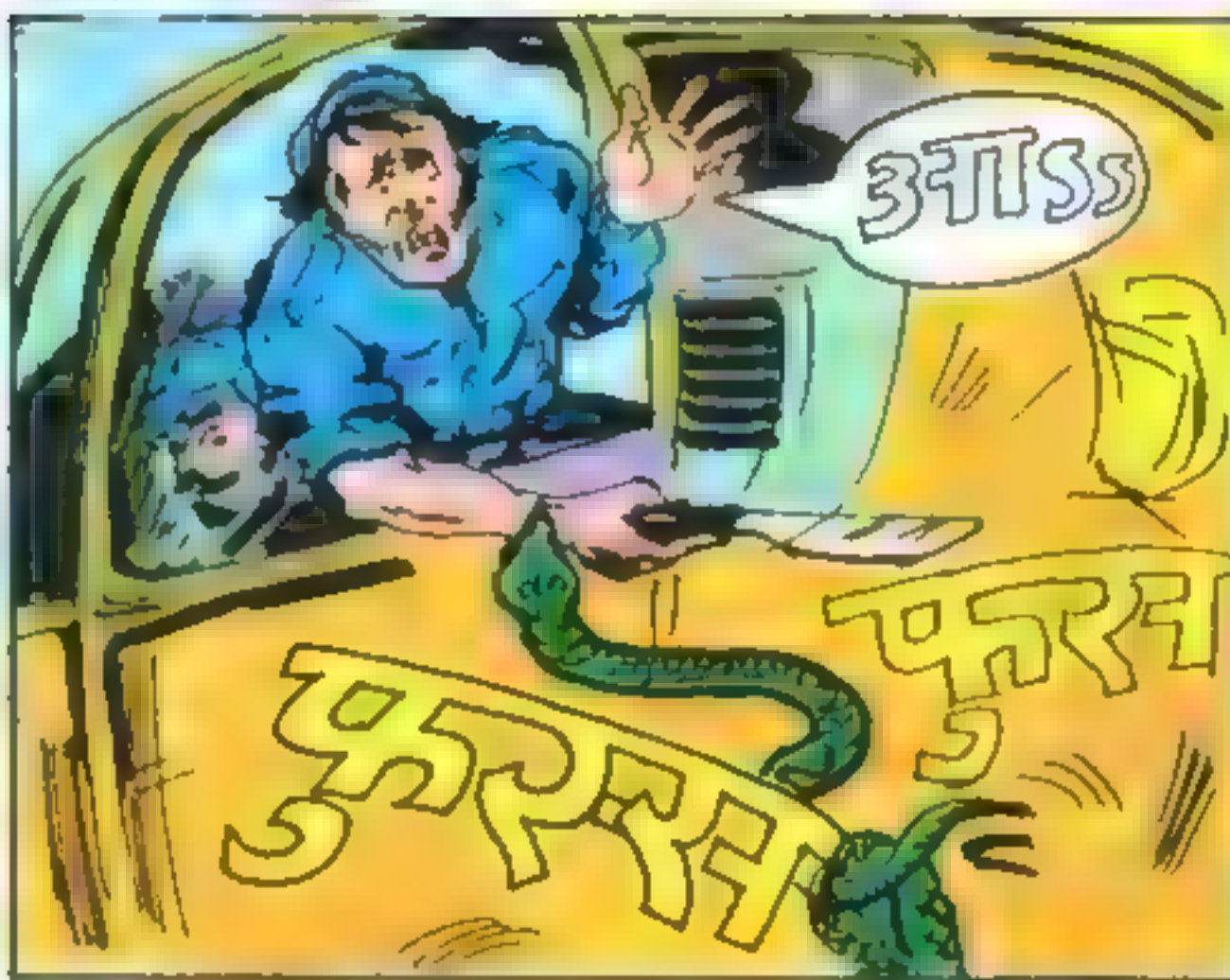
ओह! नागराज ने हेलीकाप्टर पर कब्जा कर लिया है और वह इसी तरफ आ रहा है।
मुझे तुरन्त बुलडाग से सम्पर्क स्थापित करना चाहिये।
महामंत्री किल्लोल निजी हेलीकाप्टर से बुलडाग के किले की ओर रवाना होगया।
वह कम्पाली दर्रे के पुराने किले में उतरा।
सुपर बास! महामंत्री किल्लोल इसी समय आपसे मिलना चाहते हैं।
भेज दो!
REPORT
यह नागराज का फोटो है... और उसके सम्बन्ध में अन्तिम रिपोर्ट
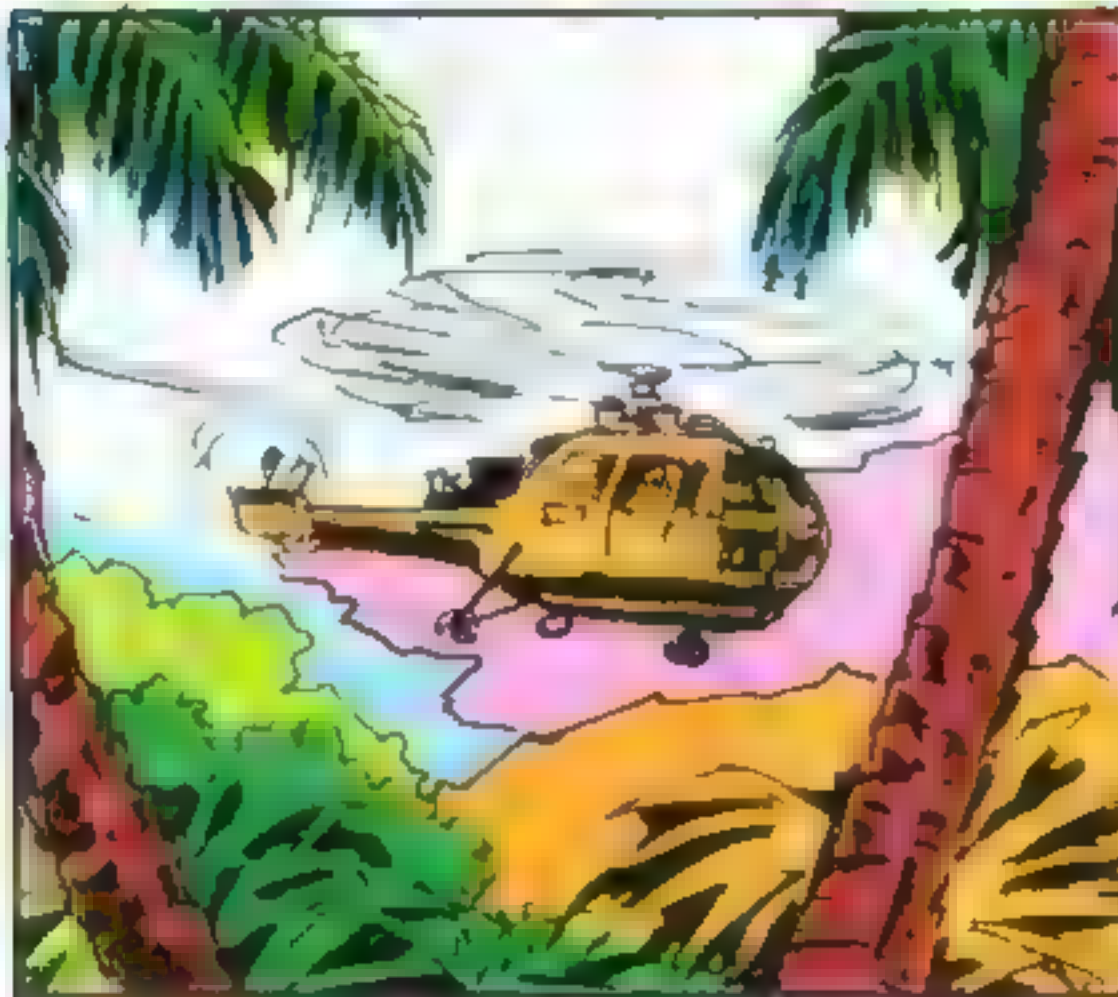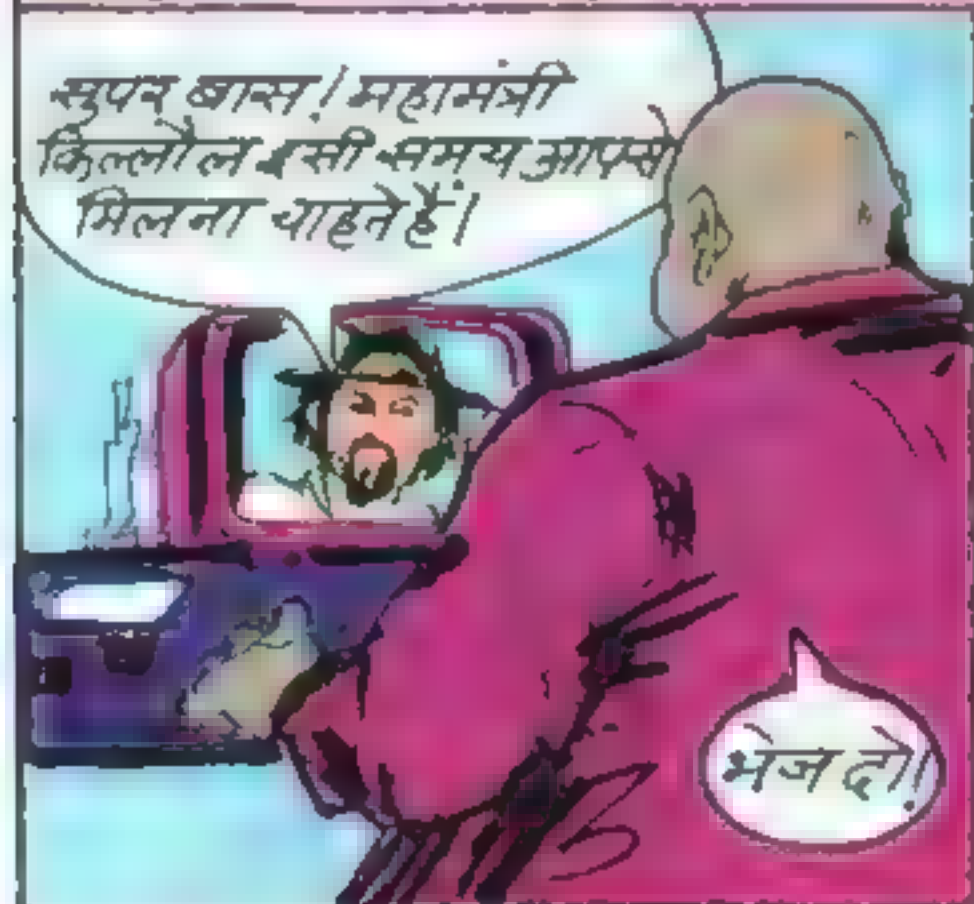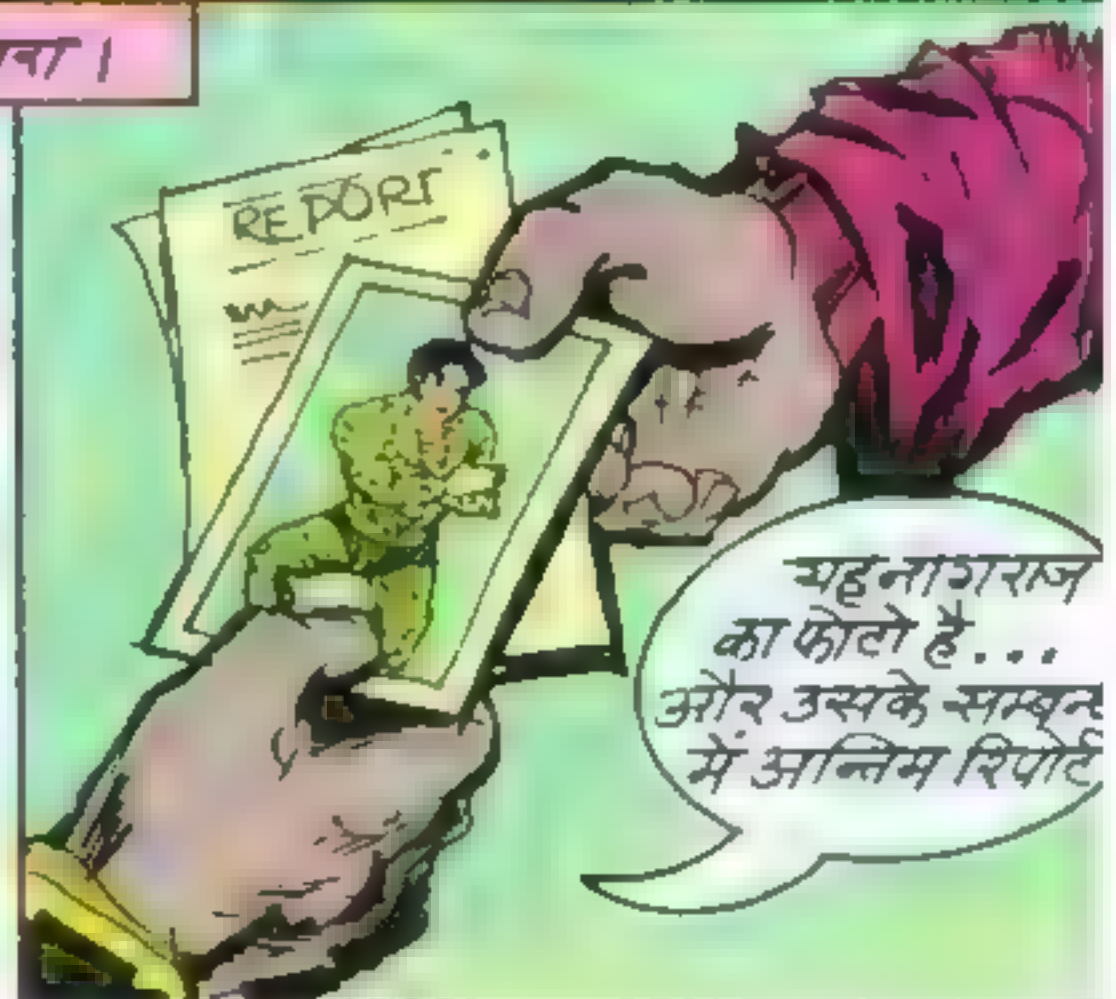
इस रिपोर्ट और फोटो से इस बात की पुष्टि होती है कि वह नागराज ही है, ओ गॉड! ऐसा कैसे सम्भव है?

इसका मतलब उसने डाक्टर सिमटो को भी धोखा दिया! कमाल तो यह है कि हम शार्ट सर्किट टी.वी. पर डाक्टर सिमटो की शल्य क्रिया भी देख रहे थे...

...निश्चय ही नागराज राजमहल पहुंचेगा। किल्लोल तुम उससे सन्धि कर लो।
वह किस तरह, किन प्रस्तावों पर?

तुम उस पर जाहिर करो कि कम्पाली में बुलडाग नामक व्यक्ति ने आतंक फैला रखा है और राजकीय फौजें भी उससे जा मिली हैं। मेरे मामले को लेकर वह तुम्हारे साथ होगा

उसे अपने विश्वास में ले लो - उसका स्वागत करो और फिर इस पुराने किले पर हमला कर दो...

बुलडाग ने किल्लौल को पूरी योजना समझा दी।
तुम यहां फतह पाओगे- बस उसके बाद उसे कम्पाली में कोई राजकीय पद दे दो, और फिर... वह होगा जो हम चाहेंगे क्योंकि वह हमारा आदमी बन जायेगा।
किल्लौल वापिस राजमहल पहुंच गया।
यह नगरवासियों की भीड़ कैसी?
सब लोग महाराजा से फरियाद करने आये हैं और उनका नेतृत्व नागराज कर रहा है।
तुरन्त ही किल्लौल दरबार में पहुंचा।
आइये महामंत्रीजी, पधारिये और सुनिये यह नगरवासी क्या-क्या शिकायतें लेकर आये हैं, हमें इन बातों की कानों कान खबर नहीं हुई।

मुझे सफाई का अवसर दिया जाये महाराज... मैं मानता हूं कि बस्ती के लोगों के आरोप सही हैं... परन्तु... इसके पीछे आप ही के एक विदेशी मेहमान का हाथ है।

अब मुझे मालूम हो गया है कि बुलडाग ने किस तरह हमें शिकंजे में कसा... यह सब उसके गुण्डों का कमाल है जो हमें बदनाम करते रहे हैं।

अगर यह सत्य है तो बुलडाग को कम्पाली की सरहद से बेदखल कर दो।
यह काम इतना आसान नहीं है, उसकी जड़ें बहुत मजबूत हैं, उसे बेदखल करने के लिये एक बड़ी जंग लड़नी पड़ेगी।

हम अपने सैनिकों पर भी विश्वास नहीं कर सकते- क्योंकि उनमें से बहुत से बुलडाग के हाथों बिके चुके हैं।

बुलडाग से निपटने के लिये मैं अकेला ही काफी हूं, मैं इस शैतान को खत्म करने ही यहां आया हूं।
तुम बहादुर अवश्य हो नागराज -लेकिन मैं तुम्हें पुराने किले में अकेले नहीं भेजूंगा... हमारे चुने हुए सिपाही दुर्ग को चारों तरफ से घेर रहेंगे...

...योजना का अन्तिम रूप हम शाम की बैठक में बतायेंगे।

शाम के समय—
महामन्त्री किल्लोल, मैं आपकी योजना जानने आया हूं...

...और वह योजना तुम मेरी आंखों में झांक कर बताओगे।

नागराज ने किल्लौल को सम्मोहन जाल में फंसा कर वास्तविक चाल समझ ली।

तो यह है असली योजना! नकली बुलडाग को मेरे हाथों मरवाया जायेगा और असली बुलडाग उस समय तुम्हारे साथ जश्न मना रहा होगा।

जश्न की जगह कहां निश्चित की गयी है?
जल महल में...

नागराज ने किल्लोल की योजना पर अमल किया।

और पुराने किले पर एक नाटकीय जंग हुई।

नागराज और महाराजा कौरिल ने फनकारों का भेष धरा और जलमहल की ओर रवाना हो गये।

कुछ ही देर में -

तुम दोनों को बुलाया गया है- चलो...

नागराज महाराजा के साथ जश्न हॉल में पहुंचा -

ऐ जादूगर फनकार! बोलो तुम अपना कौन सा कमाल दिखाने आये हो?

जादू का ऐसा कमाल जो आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। हम काला जादू जानते हैं। सबसे पहला कमाल!

आपके मेहमान के चेहरे पर नकली चेहरा है, पहले इसे उतारें... क्योंकि हम बता सकते हैं, इनका नाम है बुलडाग।
!
?

मैंने नकली चेहरा उतार दिया है दोस्त अब बोलो।
दूसरा कमाल! मैं अपने दोस्त को अभी राजा कौटिल बनाऊंगा।

हैं...! कमाल है... यह तो बिल्कुल राजा कौटिल लग रहा है!
और अब मैं अपने आप को नागराज की शक्ल में पेश करता हूं।

नागराज!!
महाराजा कौटिल! क्या जादू है वाह!

गधे के बच्चो! यह जादू नहीं हकीकत है... सिपाहियो, गिरफ्तार कर लो इन दोनों को।
यहां तुम्हारी नहीं मेरी आज्ञा चलती है महाराज़ा कौटिल... और तुम दोनों की मौत तुम्हें यहां खींच कर लाई है।
पकड़ लो... और कत्ल कर दो इन दोनों का।
ठाक
अब बताओ... सैकड़ों नागों ने तुम दोनों को जकड़ लिया... यह है तीसरा और आखरी जादू...

धड़ाम
ओह...! बचो...महाराज
इसके जिस्म में बम फिट था और इसने बम की सेफ्टी पिन दबाकर आत्महत्या कर ली है।
बहादुर नौजवान नागराज... आज से रियासत तुम्हें सबसे बड़ा सम्मानित पद देती है।
नगर वासी नागराज की जय-जय कार के नारे लगा रहे थे।
नागराज की जय
नागराज की जयऽऽऽ
समाप्त
अगले सैट में पढ़िए-
नागराज की हांगकांग यात्रा